



हिंदी सुलेख
प्रतियोगिता
कक्षा 3 से 5

सुलेख यमुना हाउस

स्वातिके गाँव के स्कूल में आठवीं कक्षा तक की

पढ़ाई होती थी। वह पढ़ाई-लिखाई में बहुत अच्छी थी।

उसने गाँव के स्कूल की पढ़ाई पूरी कर ली थी। उसे

आठवीं कक्षा में प्रथम स्थान मिला था। उसकी पढ़ाई

में बहुत रुचि थी। उसकी रुचि के कारण उसके पिता

ने बाहर के एक स्कूल में उसे नववीं कक्षा में प्रवेश

दिलवा दिया। स्कूल में छात्रावास था। स्वाति भी

छात्रावास में रहने लगी।

स्कूल में छात्राएँ अनुशासन के साथ रहती थीं।

नाम- मेहुल
 कक्षा- चार 'अ', रोल नं.- 18

Design- 51(d) अनुक्रमिक-18 Signature

मेहुल
 कक्षा -चार 'अ'
 'प्रथम'
 हाउस -यमुना

चौद का कुर्ता नाम काशी
 कक्षा- पांचवीं-अ

Topic: सुलेख सरस्वती हाउस (10) Date: 6-12-21

एक कर बैठा चौद एक दिन, प्रभा से बर बोलता

सित्वा दो मे झरे रज्ज का मोटा एक शिगोना।

सन-सन चलीती एवा रात भर जागे से मरता है,

ठिठुर-ठिठुर कर किसी तरह मात्रा पूरी करता है।

अस्मान का सवर और यद मौसम है जागे का,

न हो अगर तोना दो कुर्ती ही कोई भाँपे का।

कच्चे की सुन बात कटा माता ने अरे सानोने।

कुरल करे भगवान, लगे न तुझको आठ-दोने।

जागे की तो बल ठीरु है पर मैं तो डरती हूँ

एक नाम में कभी नहीं तुझको देबा करती हूँ।

कभी एक अंगुन भर चौंका, दस एक कुट मोटा,

बना किसी दिनको आता है अरर किसी दिन छोटा।

घटता-बढ़ता रोज किसी दिन रंगा भी करता है,

नहीं किसी की भी आंखों का दिवाराई पड़ता है।

अब वृ ही तो बला, नाप तेरा किस रोज लिवाके,

सौ दे एक शिगोना जो हर रोज बदल में आर

काशवी
 कक्षा पांचवीं -'अ'
 'द्वितीय'
 हाउस - सरस्वती

हिंदी सुलेख प्रतियोगिता

यमुना हाउस सोहन सल्ल

प्राची! जल्दी-जल्दी कान खोल कर

फिर खोलै जाना, "साँ न आवाज ल

"साँ कल तो छूटती है, कल कर लूँगी

प्राची ने चहकते हुए कहा।

छूटती क्यों है?" साँ ने जिज्ञास

पूछा। प्राची बोली, "साँ कल, दौ

अक्टूबर गाँधी जी और शास्त्री जी

जन्मदिन। साँधी जयंती पर विद्या

सँ छूटती होती है।"

"क्या तुम साँधी जी के बारे में जान

तीं?"

हाँ?

सोहन
 कक्षा-तीसरी 'ब'
 'तृतीय'
 हाउस -यमुना

हिंदी सुलेख प्रतियोगिता

सरस्वती हाउस

रेश्मे घे लाल बहादुर शास्त्री

"यह बात उन दिनों की है जब नन्हें की प्रवणथा

आशी इह वर्ष की थी। एक बार अपने पाणियों के

साथ सिंगकर वह एक बरगिचें और गुलाब के फूल

ताँडने पहुँचा। आशी पाणियों ने फूल तोड़-तोड़कर

अपनी झोलियों में शर लिए। किंतु, सबसे होटा और

कमजोर होने के कारण नन्हें आशी एक फूल शी नहीं

तोड़ पाया था। बहुत प्रयत्न के बाद एक फूल पर हाथ

पहुँचा ही था कि बारा का सानी आ पहुँचा। उसे

देखते ही आशी बालक नी-हो रया रहैरारा। पर, नन्हें

शारा न सक्य और सानी को फड़ में आ राया।

शिकार को हाथ आया देखकर सानी ने पूरी ताकत से

उसे पीटना शुरू कर दिया।

नाम- आशिका कुसारी - अनुक्रमांक-उन्नीस

कक्षा-तीसरी 'अ' (CLASSM)

अंशिका
 कक्षा-तीसरी 'अ'
 'तृतीय'
 हाउस - सरस्वती

आभासी अन्तर हाउस हिंदी सुलेख प्रतियोगिता परिणाम -



मेहुल
कक्षा -चार 'अ'
'प्रथम'
हाउस -यमुना



काशवी
कक्षा पांचवी -'अ'
'द्वितीय'
हाउस - सरस्वती



सोहन
कक्षा-तीसरी 'ब'
तृतीय
हाउस -यमुना



अंशिका
कक्षा-तीसरी 'अ'
'तृतीय'
हाउस - सरस्वती

प्रतिवेदन

हिंदी लेखन प्रतियोगिता 6 दिसंबर को आयोजित की गई । इस प्रतियोगिता में कक्षा 3,4 व 5 के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

हिंदी लेखन प्रतियोगिता का मूल उद्देश्य लेखन क्षमता का विकास करना। बच्चों की सृजनात्मक प्रतिभा जागृत कर उन्हें पढ़े हुए विषय को लिखित रूप में अभिव्यक्त करने के लिए प्रेरित करना।